



गुणवत्तापूर्ण बीज और कृषक आय

 drishtiias.com/hindi/printpdf/quality-seed-must-for-improving-income-of-farmers

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय बीज परीक्षण संघ (International Seed Testing Association- ISTA) का 32वाँ सम्मेलन हैदराबाद में संपन्न हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर भारत सरकार ने कहा कि भारत में वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने में गुणवत्तापूर्ण बीजों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी और किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने का प्रयास भी राज्य सरकारों के साथ मिलकर किया जा रहा है।
- विभिन्न चुनौतियों के बावजूद भारत के किसानों ने दुनिया में सबसे ज्यादा कपास का उत्पादन किया है।
- इसके अलावा सरकार ने गुणवत्तापूर्ण बीज के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने तथा वैश्विक बीज बाजार में भारत के योगदान को बढ़ाने पर बल दिया।
- वर्तमान में तेलंगना वैश्विक बीज हब के रूप में विकसित हो रहा है एवं भारत के पास यह अवसर है कि वह यूरोप के समकक्ष देशों की तरह बीज निर्यात कर सके।
- इसी उद्देश्य से केंद्र सरकार की बीज गुणवत्ता सुधार योजना के तहत बीज की गुणवत्ता का पता लगाने के लिये बार कोड और क्यूआर कोड को जून 2020 तक अनिवार्य कर दिया जायेगा।
- ISTA के अधिकारियों की सदस्य संख्या बढ़ाने के बजाय बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं पर अधिक ध्यान की बात कही गयी।
- भारत में कृषि संभावनाओं के मद्देनजर उपयुक्त कृषि जलवायु, 130 बीज परीक्षण प्रयोगशालाएँ, 25 बीज प्रमाणीकरण प्राधिकरण मौजूद हैं, इसके अलावा भारत दुनिया का 5वाँ सबसे बड़ा बीज बाजार भी है।

अंतर्राष्ट्रीय बीज परीक्षण संघ (International Seed Testing Association- ISTA)

- **ISTA** एक गैर लाभकारी स्वायत्त संगठन है जो बीज की गुणवत्ता में सुधार करता है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1924 में की गई थी।
- बीज परीक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय रूप से सहमत मानक प्रक्रियाओं (नियमों) को विकसित एवं प्रकाशित करता है साथ ही बीज विश्लेषण प्रमाण पत्र और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है।
- इसका सचिवालय स्विट्जरलैंड में स्थित है।

स्रोत : द हिन्दू